



7

हमारा घर



सोचो! यदि घर नहीं होते तो ...

- हम कहाँ रहते ?
- हमारा जीवन कैसा होता ?

आज से बहुत साल पहले मनुष्यों के रहने के लिए घर नहीं थे। वे पशु-पक्षियों और जीव-जंतुओं के बीच जंगलों में रहते थे। सर्दी, गर्मी, वर्षा, आँधी, तूफान से बचने के लिए वे घने पेड़ की छाया या गुफाओं में रहते थे। समय बीतने के साथ मनुष्य ने अपने रहने के लिए घर बनाए। आज चारों ओर तरह-तरह के घर-मकान दिखाई पड़ते हैं। हम अपने परिवार के साथ अपने घर में रहते हैं।

घर किसे कहते हैं ?

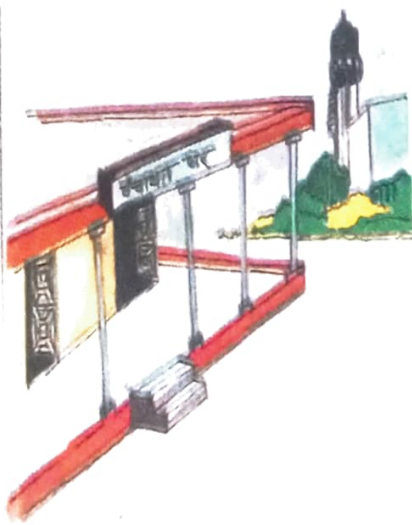
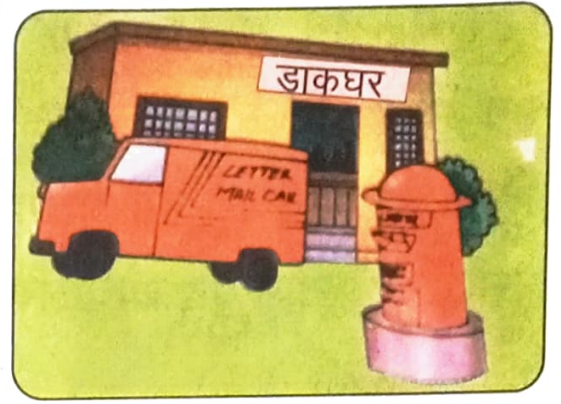
जया और जगत अपनी दादी के साथ घूमने निकले। वे तालाब के किनारे गए। वहाँ कुछ देर रहे। दादी ने कहा— चलो बाज़ार चलते हैं। जया ने कहा— हाँ—हाँ क्यों नहीं। मुझे पेंसिल भी खरीदनी है। वे सभी आगे बढ़े। सड़क पर पहुँचते ही दिखा एक बड़ा सा मकान। जगत ने कहा देखो—देखो कितना बड़ा घर।

जया ने कहा— नहीं—नहीं यह अस्पताल है। यहाँ लोगों का इलाज होता है। देखो बोर्ड भी लगा है।



वे कुछ और आगे बढ़े। सामने दिखा एक और बड़ा सा मकान।

जगत फिर बोल उठा— उधर देखो, यह कैसा घर है? इसके सामने लाल रंग का डिब्बा भी है। दादी ने कहा— नहीं जगत, यह तो डाकखाना है। यहाँ से चिट्ठियाँ आती जाती हैं।



वे कुछ और आगे बढ़े। सामने दिखी एक कॉपी-किताब की दुकान। वहाँ से जया ने पेंसिल खरीदी। फिर वे अपने घर की ओर वापस चले। दादी ने कहा जिधर से आए थे उधर से नहीं, इस बार बाग वाले रास्ते से जाएँगे। तीनों लोग घर की ओर वापस जा रहे थे। गाँव के बाहर ही एक रंगा-पुता मकान देखकर जगत बोला— कितना सुन्दर घर है? जया ने कहा— नहीं जगत, यह तो पंचायत भवन है। यहाँ गाँव के प्रधान जी और सचिव बैठते हैं।

सभी लोग बातचीत करते हुए आगे बढ़े। जगत जोर से बोला—यह रहा अपना घर। जया ने कहा—हाँ, हाँ यही तो है अपना घर।



सोचो और चर्चा करो—

- घर किसे कहते हैं ?
- घर और मकान में क्या अन्तर होता है ?

घर वह स्थान है जहाँ हम अपने परिवार के साथ रहते हैं। घर हमारे लिए बहुत आवश्यक है। यह हमें ठंड, गर्मी, वर्षा, आँधी, तूफान और हिंसक जानवरों से सुरक्षा देता है। घर हमें रहने, खाना बनाने व खाने,



पढ़ने-लिखने, सोने आदि के लिए स्थान तथा सुविधा प्रदान करता है। घर में हम अपनी जरूरत की वस्तुओं को सँभाल कर रखते हैं। घर में कई कमरे या हिस्से होते हैं जिसे हम अलग-अलग कार्यों के लिए उपयोग करते हैं, जैसे-रसोई घर, स्नान घर, शौचालय इत्यादि।

कैसे-कैसे घर

तुम्हें अपने आस-पास कई तरह के घर दिखाई देते हैं। ये घर आकार और बनावट में अलग-अलग होते हैं। कुछ घर छोटे होते हैं तो कुछ घर बहुत बड़े। कुछ घर अधिक ऊँचे होते हैं। कुछ घर कम ऊँचे होते हैं। कुछ घर पक्के होते हैं और कुछ घर कच्चे।

कुछ घर बनाने में मिट्टी, बाँस, लकड़ी, घास-फूस आदि वस्तुओं का प्रयोग किया जाता है। घर के फर्श को मिट्टी में गोबर मिलाकर लीपा जाता है। घर की छत बनाने में खपरैल, कँटीली झाड़ियाँ, बाँस-बल्ली आदि का उपयोग किया जाता है। ऐसे घर को हम कच्चा घर कहते हैं।

पक्का घर बनाने में सीमेंट, सरिया, बालू, ईंट आदि का प्रयोग किया जाता है। ये घर कई तरह के हो सकते हैं, जैसे- एक मंजिला मकान, दोमंजिला मकान, बहुमंजिला इमारतें, बंगला।

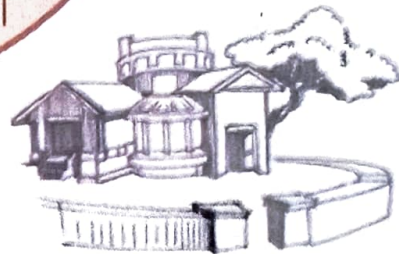
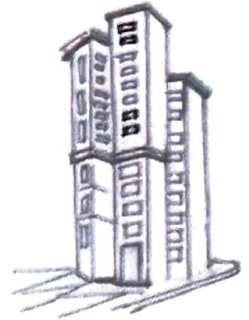
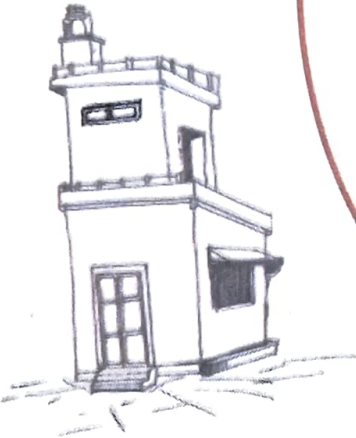
इसी तरह घास-फूस, लकड़ी, बाँस आदि से झोपड़ी तैयार की जाती है जिसका उपयोग बहुत से लोग घर की तरह करते हैं। तम्बू भी एक प्रकार का घर है।

बताओ-

- तुम्हारा घर किन-किन चीजों से बना है?



तरह-तरह के घर



अपना घर

मेरा और तुम्हारा घर
कितना सुंदर प्यारा घर
कच्चा हो या हो पक्का
सबसे न्यारा अपना घर
सर्दी, गर्मी, बारिश से
हमें बचाता अपना घर
बाहर घूमें, खेलें-कूदें
लौट के आते अपने घर
थक कर जब वापस आते हैं
देता आराम हमारा घर।

★ विभिन्न तरह के घरों का चित्र दिखाते हुए उनकी उपयोगिता व विशेषताओं पर चर्चा करें।





1. प्रश्नों के उत्तर लिखो—

(क) कच्चा घर किसे कहते हैं ?

(ख) घर से हमें किस प्रकार सुरक्षा मिलती है ?

(ग) बहुत साल पहले जब मनुष्य के पास रहने के लिए घर नहीं थे, तब वे कहाँ रहते थे ?

(घ) पक्का घर बनाने में कौन-कौन सी सामग्री इस्तेमाल होती है ?

2. तुम्हें अपना घर क्यों अच्छा लगता है ?

3. तुम अपने घर की साफ-सफ़ाई में किस प्रकार मदद करते हो ?

4. अगर तुम्हारे पास घर न हो तो तुम्हें किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ेगा ?

5. यह भी करो—

- अपनी पसंद का घर बनाकर उसमें रंग भरो ।
- विभिन्न प्रकार के घर के चित्र इकट्ठा करो ।

